CLEVER SON

JATAKA TALE

चतुर पुत्र

जातक कहानी

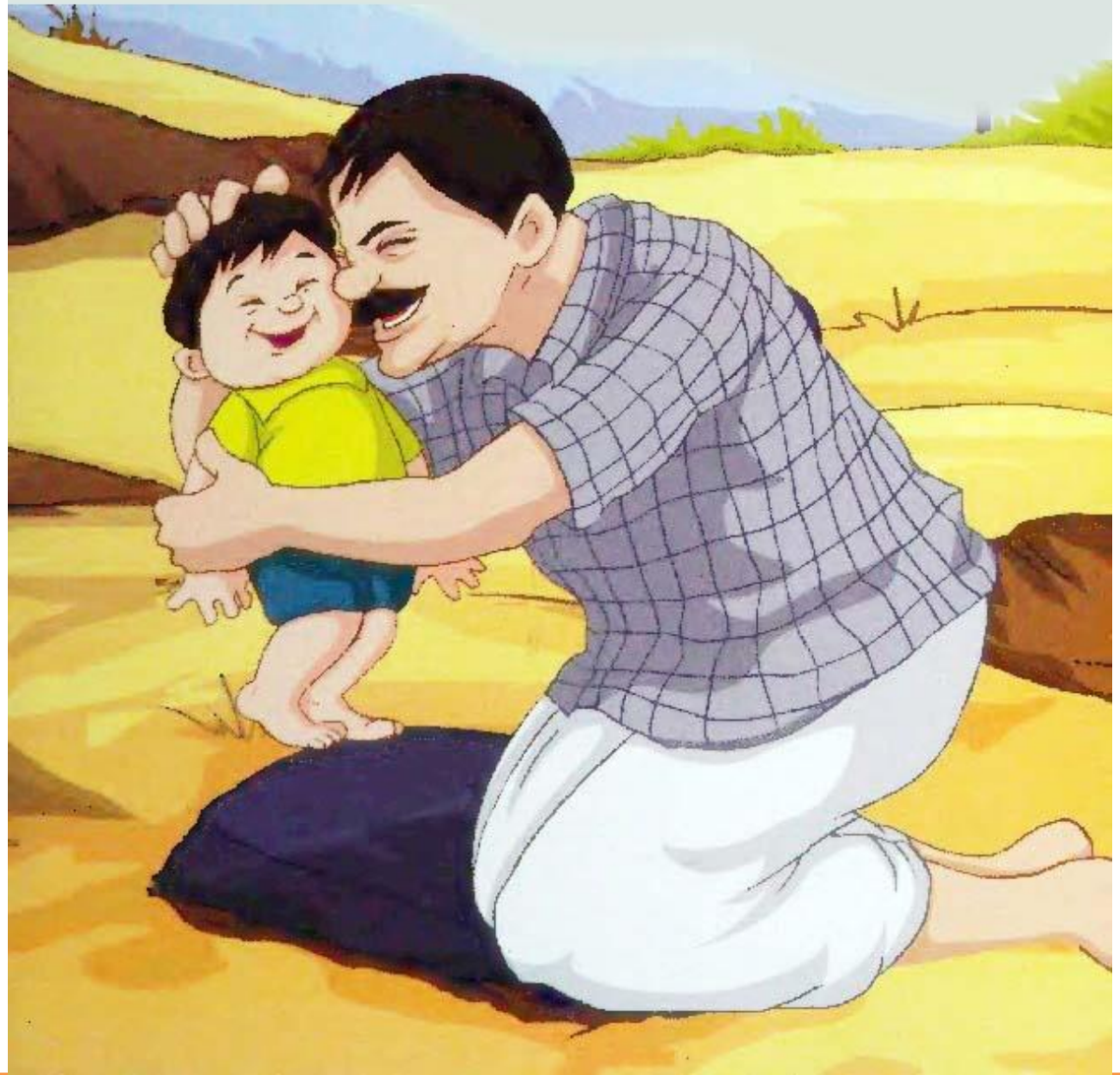

CLEVER SON

JATAKA TALE

चतुर पुत्र

जातक कहानी

One morning in a faraway village, a farmer Ravi helped his father onto a bullock cart.

Just at that moment his son Vivek ran towards them.

एक सुबह किसान रवि ने अपने पिता की बैलगाड़ी पर चढ़ने में मदद की.

ठीक उसी समय उसका बेटा विवेक भी उसकी ओर दौड़ा.

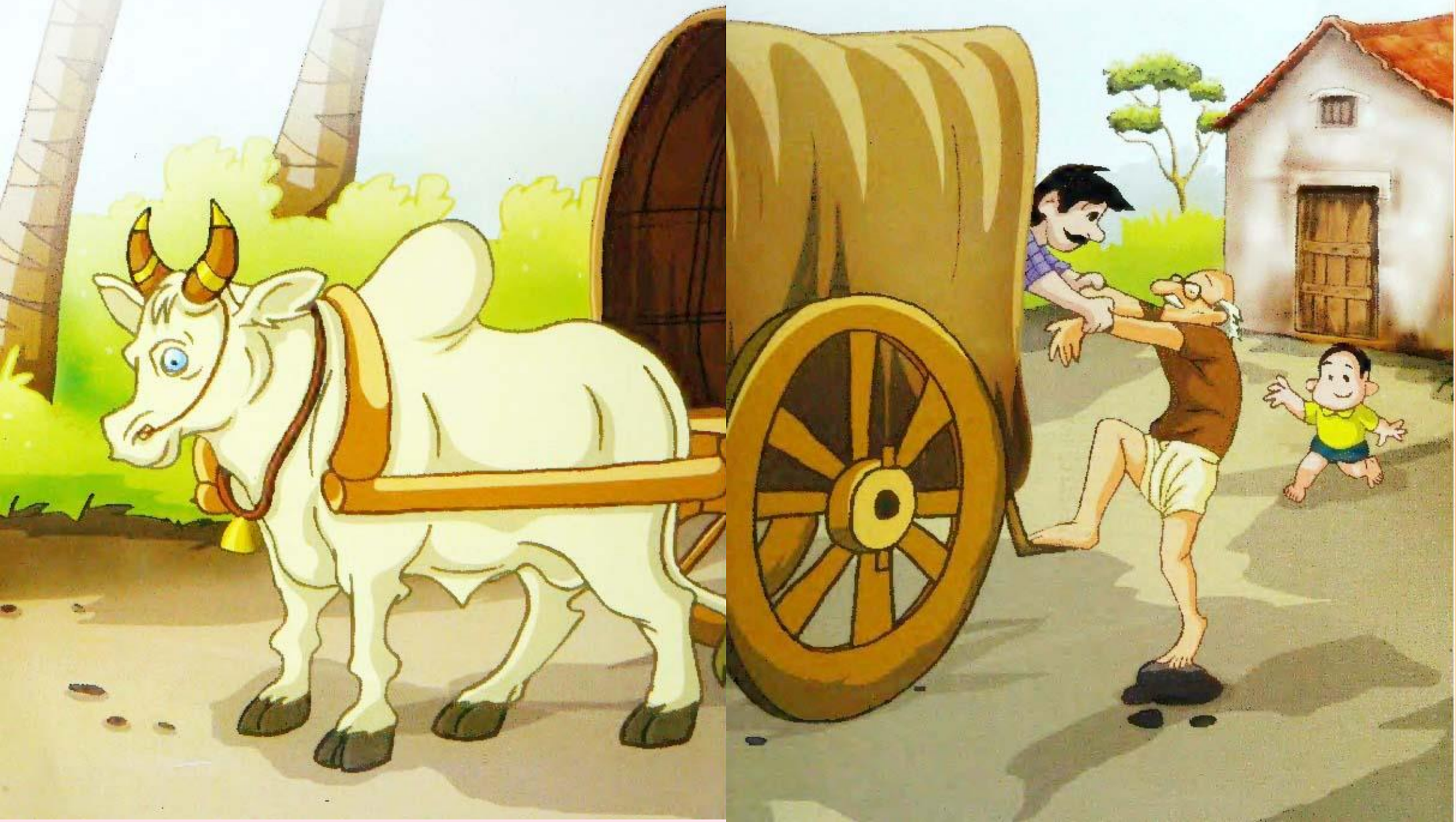

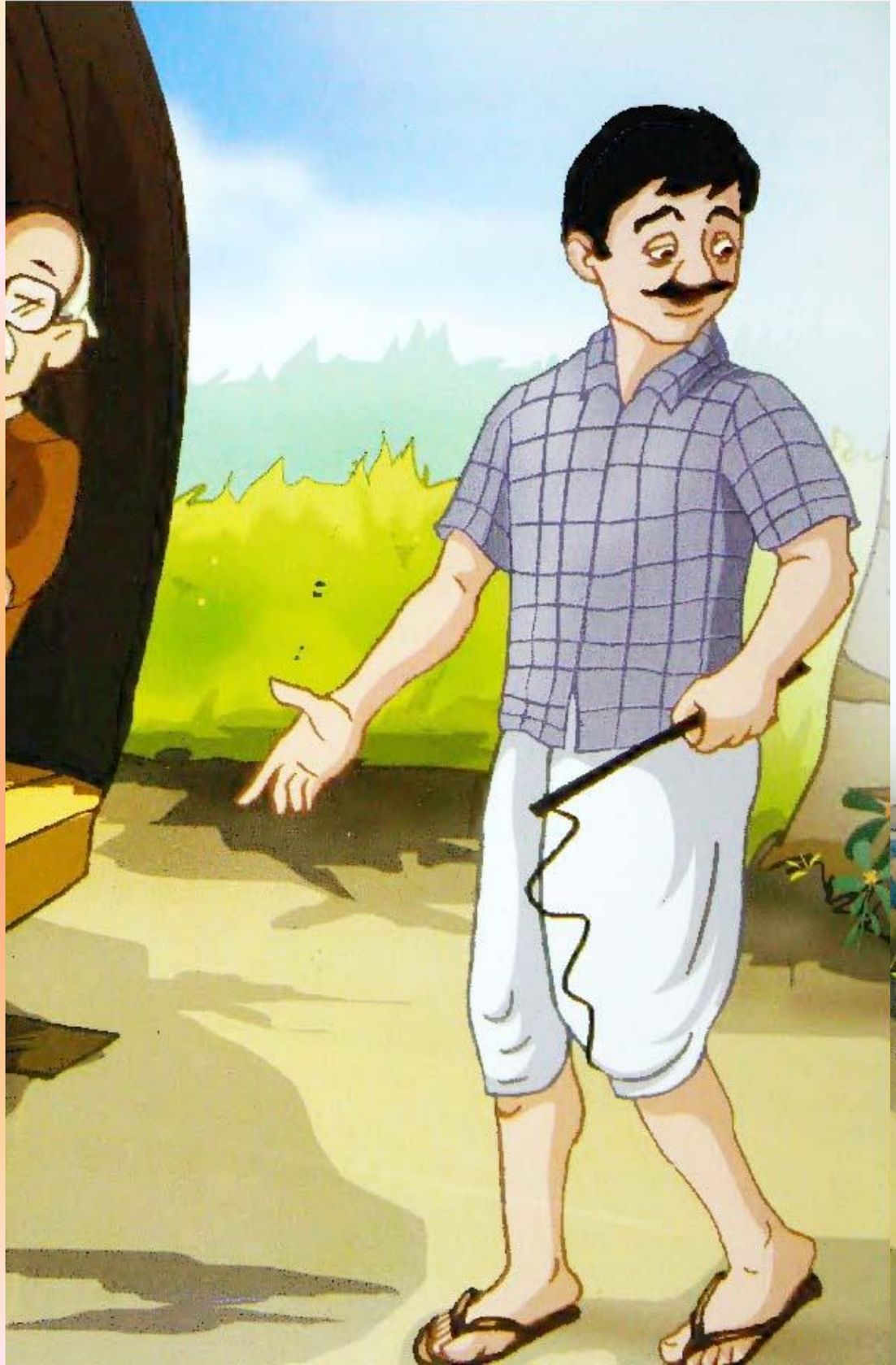

“Father, where are you taking grandfather?” Vivek called out.

“I’m taking him to town,” replied Ravi.

"पिताजी, आप दादाजी को कहाँ ले जा रहे हैं?" विवेक ने पूछा.

"मैं उन्हें शहर ले जा रहा हूं," रवि ने उत्तर दिया

“I'm coming too father!” said Vivek.

Ravi however told the boy to stay at home. He called his wife and asked her to take Vivek away.

"मैं भी आपके साथ आना चाहता हूँ पिताजी!" विवेक ने कहा.

लेकिन रवि ने बेटे को घर पर ही रहने को कहा. रवि ने अपनी पत्नी से विवेक को ले जाने को कहा.

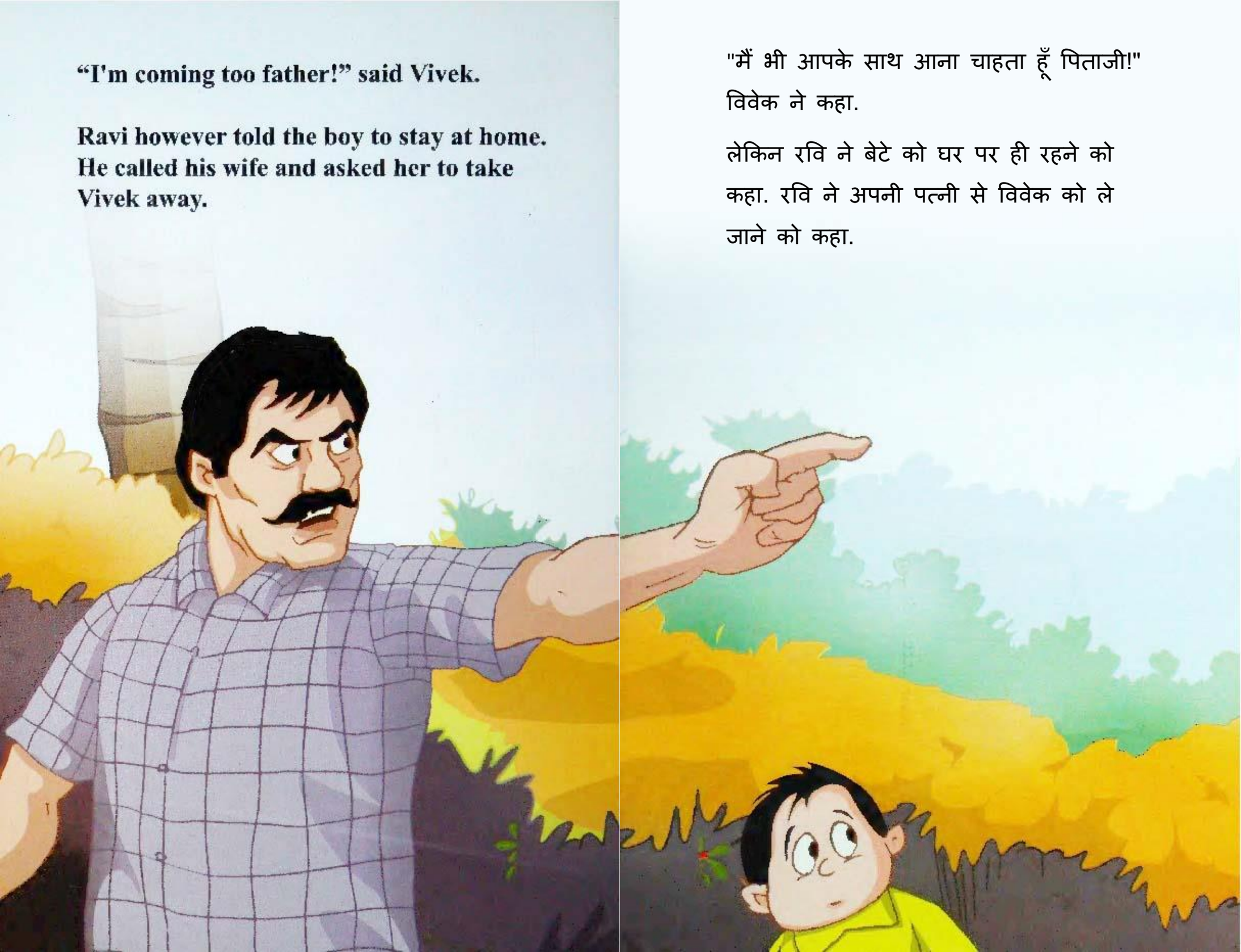

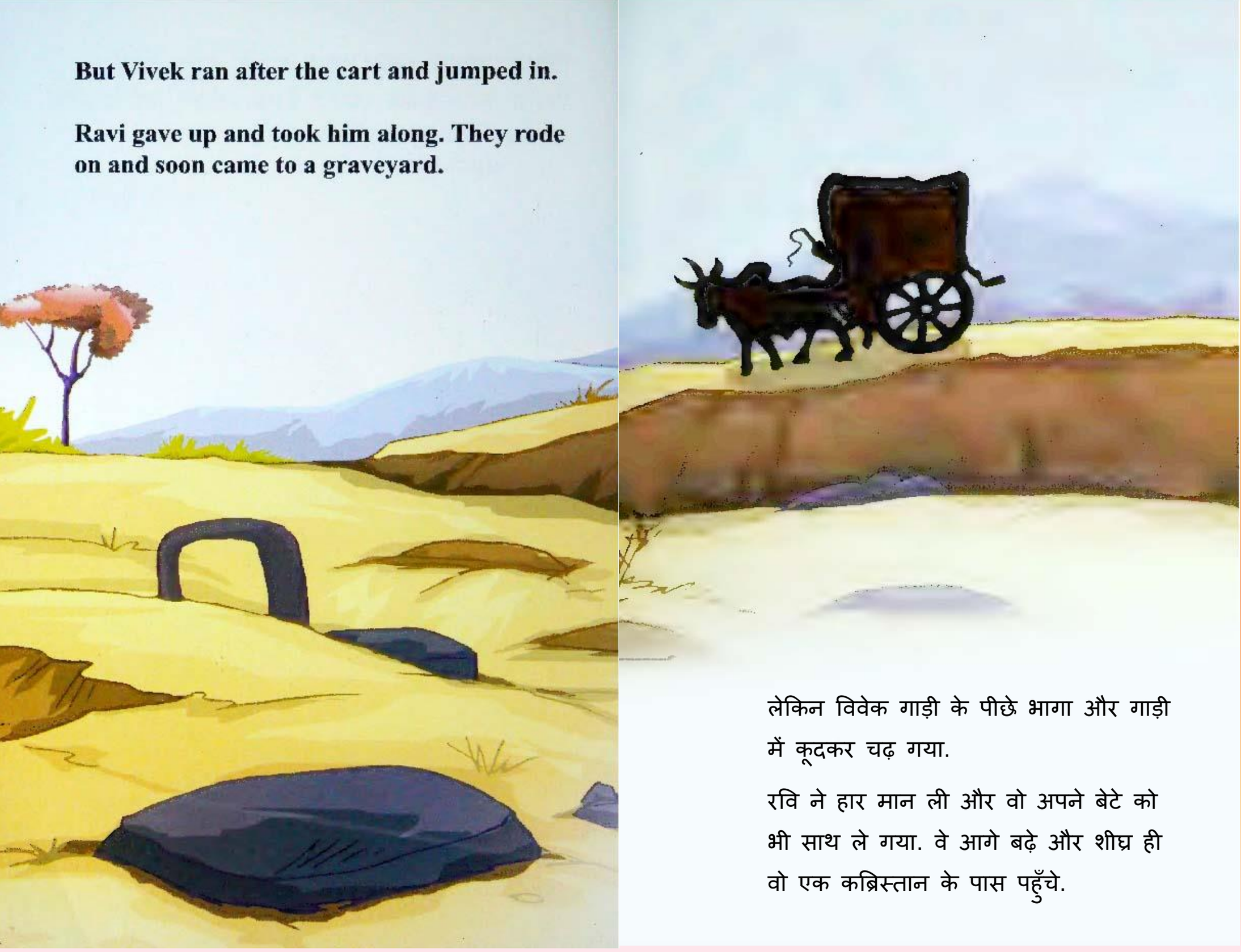

But Vivek ran after the cart and jumped in.

Ravi gave up and took him along. They rode on and soon came to a graveyard.

लेकिन विवेक गाड़ी के पीछे भागा और गाड़ी में कूदकर चढ़ गया.

रवि ने हार मान ली और वो अपने बेटे को भी साथ ले गया. वे आगे बढ़े और शीघ्र ही वो एक कब्रिस्तान के पास पहुँचे.

Ravi got off the cart and said, “Vivek, stay here with grandfather. I will come back soon.”

He then went to an isolated spot and began digging.

रवि गाड़ी से उतरा और बोला, "विवेक, तुम यहीं दादाजी के पास रुको, मैं जल्द ही वापस आऊंगा."

फिर रवि एक सुनसान जगह पर गया और वहां उसने खुदाई शुरू कर दी.

After a while, Vivek became restless and decided to look for his father.

He saw his father and asked, “What are you doing father?”

थोड़ी देर बाद विवेक बेचैन हो गया और वो अपने पिता की तलाश करने निकला.

उसने अपने पिता को देखा और पूछा, "पिताजी आप यहाँ क्या कर रहे हैं?"

“I am digging! What are you doing here? I told you stay with grandfather!” answered Ravi angrily.

But Vivek enquired, “What are you digging for father?”

"मैं यहाँ पर खोद रहा हूँ! तुम यहाँ क्या कर रहे हो? मैंने तुमसे दादाजी के पास रहने को कहा था!" रवि ने गुस्से में जवाब दिया.

लेकिन विवेक ने पूछा, "पापा आप क्या खोद रहे हैं?"

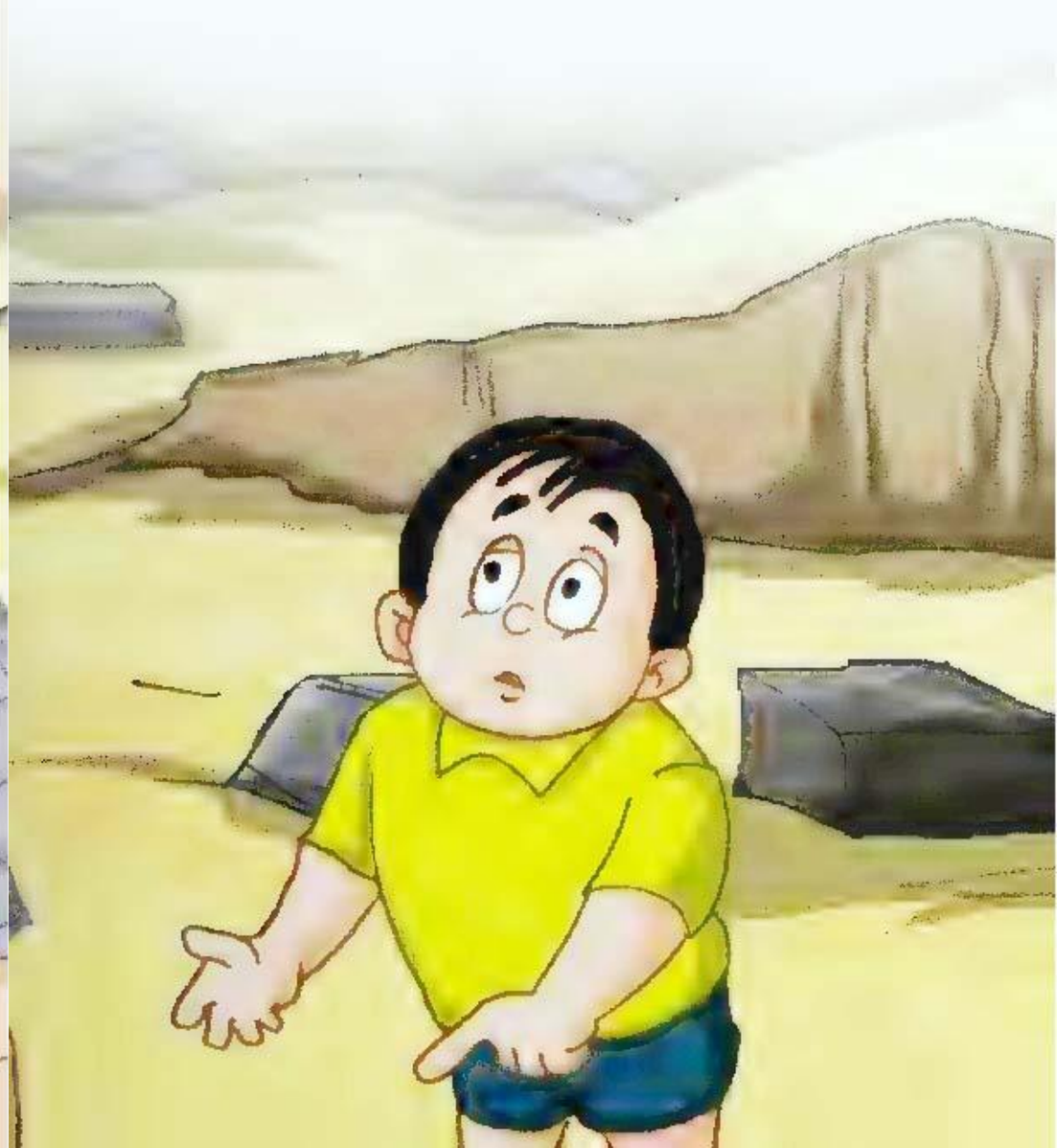

“Yes, but he's old and useless. He won't live long so there's no harm in burying him now,” said Ravi.

“Oh!” said Vivek and he picked up the spade and began digging nearby.

"देखो तुम्हारे दादाजी अब एकदम बूढ़े और बेकार हैं. अब वो ज़्यादा दिन जीवित नहीं रहेंगे. इसलिए उन्हें अभी दफनाने में कोई नुकसान नहीं है," रवि ने कहा.

"ओह!" विवेक ने कहा और फिर उसने भी एक कुदाल उठाई और पास में ही खुदाई करने लगा.

“What are you doing?” asked Ravi.

Vivek replied, “When you become old, I'll bring you here and push you in.”

“What! You would do that to your own father?” said Ravi.

"तुम यह क्या कर रहे हो?" रवि ने पूछा.

विवेक ने उत्तर दिया, "जब आप बूढ़े हो जाएंगे तो मैं आप को यहीं पर लाऊंगा और इसके अंदर दफना दूंगा."

"क्या! तुम अपने पिता के साथ ऐसा सलूक करोगे?" रवि ने आश्चर्य से पूछा.

“I wouldn't want to break the family tradition, father!” said Vivek.

Ravi realized his folly. He hugged Vivek and said, “Son, you have stopped me from committing a horrible crime!”

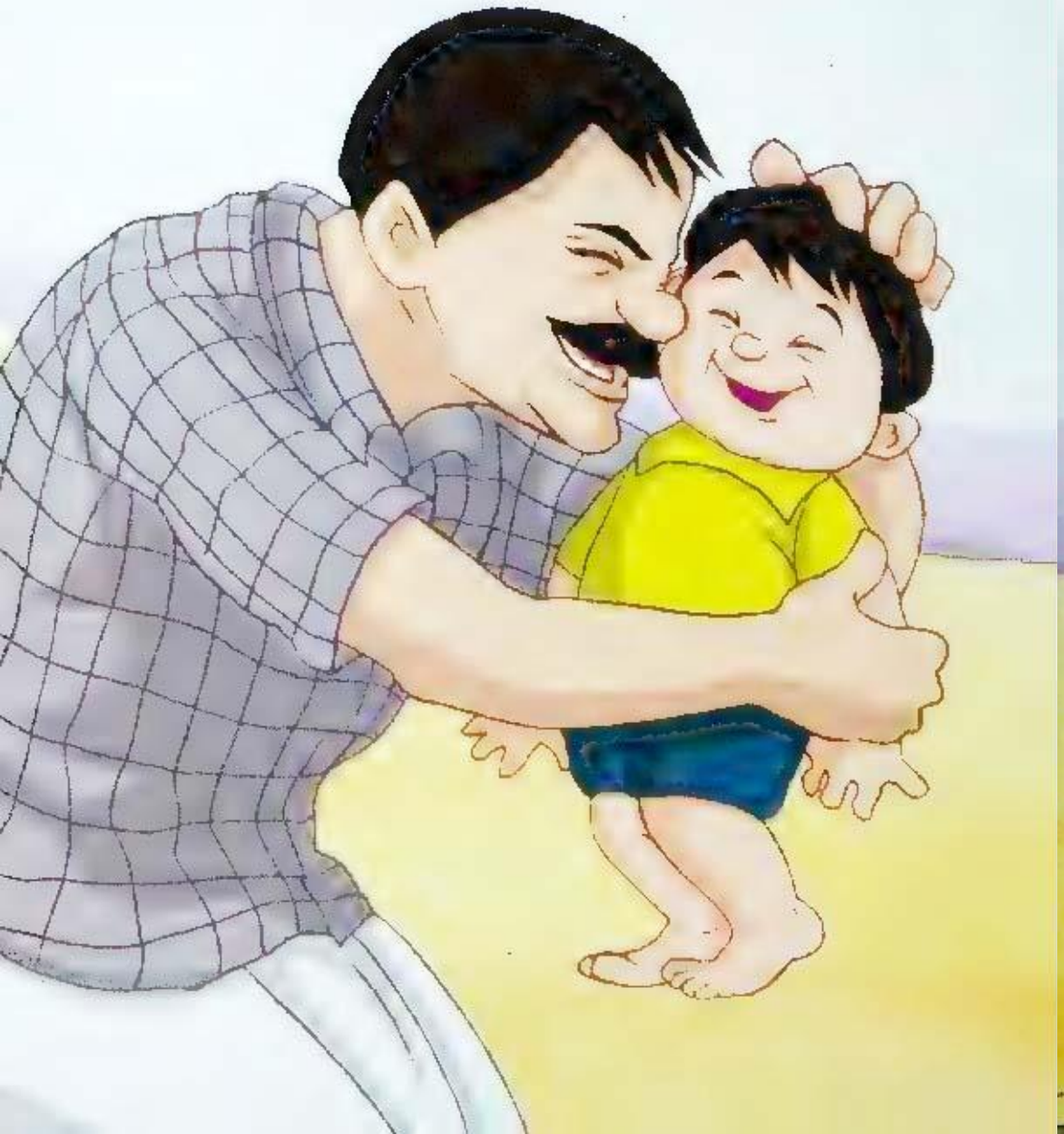

"मैं पारिवार की परंपरा को बरक़रार रखना चाहूँगा, पिताजी!" विवेक ने कहा.

उसके बाद रवि को अपनी मूर्खता का एहसास हुआ. उसने विवेक को गले लगाते हुए कहा, "बेटा, तुमने मुझे एक भयानक अपराध करने से रोक लिया है!"

Ravi then took his father home and told his wife of all that had happened saying, “You know, sometimes children are wiser than grownups!”

फिर रवि अपने पिता को घर ले गया और अपनी पत्नी को जो कुछ हुआ था, उसके बारे में बताते हुए कहा, "तुम्हें पता है; कभी-कभी बच्चे बड़ों से ज्यादा समझदार होते हैं!"

अंत